

ÇABDAR. im ÇKDr.

भूमिपति m. = भूमिपति UḍḍVAL. zu UNĀDIS. 4, 45.

भूमिभुज m. = भूमिभुज Spr. 2318.

भूमिपाण N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 338, b, 41. — Vgl.

भूमिप्राण.

भूमिरुक्ष् (भू + रुक्ष्) m. Gewächs, Baum: भाण्डीर° Gtr. 6, 12.

भूमिरुक्ष् (भू + रुक्ष्) m. dass. UDBHATA im ÇKDr.

भूमोश्चर (भूमि + ई°) m. Herr der Erde, — des Landes, König, Fürst

RĀGA-TAR. 1, 173.

भूमिसह (भू + सह) m. ein best. Baum (भूरसह im Hindi) BHĀVAPR.

im ÇKDr.

भूम्यनन्तर (भूमि + अन्) adj. unmittelbar angrenzend: अरि Kām. NĪTIS.

8, 59. subst. der Fürst des zunächst angrenzenden Landes 10, 17.

भूम्यै (von भूमि) adj. terrenus: वृक्षौ अस्तौपि भूम्यस्य गर्भम् RV. 5, 41, 10.

भूम्यामलकी (भूमि + आ°) f. Flacourtia cataphracta Roxb. RATNAM.

53. भूम्यामली dass. RĀGAN. im ÇKDr.

भूम्याकुल्य (भूमि + आ°) n. ein best. Strauch (भुक्रितखड् im Hindi)

RĀGAN. im ÇKDr.

भूय (von 1. भू) n. das Werden, Sein am Ende eines comp.: s. अमुत्र°, छात्म°, देव°, ब्रह्म°, वस्यो°, वृत्°.

भूयैस् (von 1. भू) 1) adj. a) werdend; s. ब्रह्म° 1. — b) compar. zu भूरि, mehr, zahlreicher, reichlicher; mehr bedeutend, mehr werth (Gegens.

कनीयैस्; = बहुतर MED. s. 29. सक्लं यस्य रतय उत वा सति भूयैसी:

RV. 1, 11, 8. 31, 6. 102, 7. वृक्षीष्ट भूयैसी यो: 188, 5. 2, 28, 9. 7, 82, 6.

भूयैसा वल्लनचरत्कनीयः 4, 24, 9. AIT. Br. 2, 13. भूयैस्याम् 33, 3, 8. तं

दैके भूयैसं शंसति 6, 33. TBH. 1, 7, 2. 2. यः शो भूयैभवति von Tage zu

Tage wird seine Familie zahlreicher TS. 1, 3, 9, 2. ÇAT. Br. 1, 3, 2, 12, 8,

1, 33. 13, 3, 6, 5. PAÑKAV. Br. 18, 1, 2. 21, 2, 1. भूयैऽन्तरतर AIT. Br. 4, 24,

भूयैमात्रम् KAUC. 91. भूयैवै ब्राह्मणः तत्रियात् AIT. Br. 7, 15. अम्यते

भूयैसमर्थ मन्यते NĪR. 10, 42. प्राणो वै वाचो भूयैन् LĀTJ. 1, 2, 5. भविष्य-

इयो भूतात् KĀTH. 19, 10. एकया भूयैसी: ÇĀK. ÇR. 7, 19, 17. 12, 2, 11.

KAUC. 133. KĀND. UP. 3, 11, 6. 7, 1, 5. 6. KAUC. UP. 3, 8. नले चेकागते

विप्र भूयो दास्यामि ते वसु MBH. 3, 2762. M. 2, 137. ब्राह्मण्याः प्रथमः पु-

त्रो भूयैस्यात् MBH. 13, 2337. 2344. 2, 2517. अयेवासः st. भूयैसः ed. Bomb.)

BHAG. P. 3, 29, 32. संपतितेन भूयैसा mächtiger Kām. NĪTIS. 12, 30, 8, 45. अ-

धर्म grösser M. 8, 381. राग Spr. 1460. क्लेश 2062. वृद्धि RAGH. 17, 41.

Ohno compar. viel, vielfach, zahlreich; sehr gross, bedeutend AK. 3, 2, 13.

II. 1426. ब्रह्मघोषाः, क्रतवः MBH. 4, 930. एका ऽपि कृच्छादन्ते भूयैसा

तु कथैव का KĀTH. 4, 123. रत्नानीदृशि भूयैसि न भवत्येव भूतले 23,

176. 39, 181. भार्यासु भूयैसिपु 47, 103. RĀGA-TAR. 4, 336. 3, 127. Z. d. d. m.

G. 14, 372, 14. श्रुतिनीतिसंज्ञवज्रलैर्भूयैभिः KUSUM. 64, 16. मोसेन गोभूयैसा

Spr. 1672. मूल्येन भूयैसा KĀTH. 19, 42. वर्तते मम भूयैश्च कालो बिल्वा-

नि बुद्धतः 33, 62. सभा sehr gross MBH. 2, 312. पृथिवी भूयैसी तात मम

पार्थस्य नो तथा 7, 1053. अर्थश्च तव धर्मश्च भूयैनात्र प्रदृश्यते BRĀHMAN. 2, 6.

विकृति MBH. 3, 1298. अयं प्राप्नोति भूयैसीम् 13, 2540. Kām. NĪTIS. 1, 24.

विभूति 14, 67. प्रीति VIKR. 63, 12. अभवद्भूयैसी बुद्धिः संशतकवधे स्थिरा

MBH. 7, 1208. चित्ता 1, 434. Spr. 3760. तृष्णा Kām. NĪTIS. 17, 22. कारुण्य

R. 6, 109, 6. तासां कलिरभूद्भूयैसा ein heftiger Streit BHAG. P. 9, 6, 44. म-

V. Theil.

झल MĀLATIM. 2, 7. पान्दोष Kām. NĪTIS. 14, 62. ऋषीणामिव भूयैसाम् (= गुणैर्मकताम् Schol.) 1, 2. R. 2, 74, 23. BHAG. P. 2, 4, 12. 4, 3, 17. reichlich versehen mit (instr.): सामान्यगुणैर्भूयैसा SĀU. D. 69. die Ergänzung im comp. vorangehend: स्रेष्ठभूयैसी — उत्तरदिग्भूमिः KĀTH. 37, 35. स्वकृतिमेव-प्रायगुणभूयैसीम् (so ist auch beim Schol. in der Einl. zu KĀURAP. zu lesen) MĀLATIM. 3, 10. Vgl. अस्वि°. भूयैस् acc. neutr. adv. गाया स्वरादि zu P. 1, 1, 37. mehr: दित्संतं भूयै पततश्चिंतित der Gott kennt den, welcher am meisten giebt, RV. 2, 24, 10. 5, 79, 10. भूयै भूयो रयिमिदं व्यर्थयन् 6, 28, 2, 30, 1. 8, 3, 27. नान्य इन्द्रात्कारणं भूयै इन्वति 13, 41. एकपादयो दिपदो वि चक्रमे 10, 417, 8. VS. 4, 16. भूयैः शरदः शतात् 36, 24. AV. 10, 6, 5. भूयो वा अतः सोमो रात्रार्हति ÇAT. Br. 3, 3, 1. 14, 3, 1, 24. या योनादा भूयो वा R. 1, 6, 25. रामो हि भरताद्भूयैस्ते शुभ्रपते सदा 2, 12, 22. ह्यमनश्च (अभिः) यक्षेभू भूयै एवाभिवर्धते M. 9, 318. Spr. 1377. MBH. 3, 2285. sehr, in hohem Grade R. 1, 19, 16. Spr. 1213. ferner, weiter, weiterhin. ausserdem, noch ÅÇT. GRHJ. 1, 17, 13. ÇĀK. GRHJ. 1, 2. भूयै एव मा भगवान्निज्ञाययतु KĀND. UP. 6, 3, 4. 8, 9, 3. PRAÇNOP. 1, 2. KĀTHOP. 1, 16. JĀGĀ. 1, 205. BHAG. 14, 1. SUCR. 1, 127, 8. 2, 347, 11. R. 1, 23, 17. श्लोकानां द्वे शते चैव भूयैः श्लोकाश्च सप्ततिः R. GORR. 1, 4, 43. Spr. 3663. ÇĀK. 113, 4. PAÑKAT. 21, 11. पूर्वम् — भूयैः R. 1, 3, 1. अदौ — पश्चात् — भूयैः Spr. आदावादिपितामहस्य im 4ten Th. wieder, von Neuem H. 1531. MED. s. 29. avj. 82. HALĀ. 4, 39. M. 1, 51. 9, 233. BHAG. 2, 20. BRĀHMAN. 1, 11. MBH. 3, 2298. 2922. 2938. 2952. 3, 7318. R. 1, 34, 20. 62, 28. 74, 21. RAGH. 2, 46. 74, 12, 35. ÇĀK. 7, 22. 37, 14. VIKR. 94. Spr. 1401. 3063. SĪRJAS. 10, 3, 12, 25. 13, 19. Kām. NĪTIS. 11, 60. VARĀH. BRH. S. 23, 5. VID. 193. 243. भूयैःपलायनभयात् KĀTH. 38, 126. 30, 48. RĀGA-TAR. 3, 32. BHAG. P. 1, 12, 12. PRAB. 3, 10. VOP. 8, 54. VET. in LĀ. (II) 8, 4. भूयो ऽपि 12. VID. 322. RĀGA-TAR. 3, 296. PAÑKAT. 38, 16. भूयैश्चापि MEGH. 110. भूयो भूयैः SĪRJAS. 11, 5. MEGH. 84. PAÑKAT. 37, 25. न च सायं पुनर्भूयैः स्मृतिस्ते सभविष्यति MBH. 14, 416. Nach MED. avj. 82 wird भूयैस् auch अधिकारि gebraucht भूयैसा instr. adv. über die Maassen, in hohem Grade: न खरो न च भूयैसा मृदुः RAGH. 8, 9. पश्चार्धेन प्रविष्टः (मगः) शरपतनभयाद्भूयैसा पूर्वकायम् ÇĀK. 7. meist, in der Regel: भूयैसास्मद्देवेव न्यवसत् KĀTH. 22, 151. 43, 343. भूयैस्तरम् (vgl. भूयैस्तरम्) mehr: शुश्रूषां गौरवं चैव प्रमाणं वचनक्रियाम् । कस्ते भूयैस्तरं कुर्यादन्यत्र पुरुषयभात् ॥ R. 2, 12, 22. Wird P. 6, 4, 158 und VOP. 7, 62 wie भूमन् und भूयैष् auf बहु zurückgeführt. — 2) n. das Werden; s. ब्रह्म° 2. भूयैस् s. ब्रह्म°.

भूयैम् absol. von 1. भू. अनन्तं सत्येन परिगृहीतं सत्यैर्भूयै (wohl सत्यैर्भूयै)

भवति ÇAT. Br. 14, 8, 6, 2. एकाधार्भूयै भूया 8, 13, 2.

भूयैरूप adj. vielförmig KAP. 1, 160 (161). Fehlerhaft für भूयैरूप (भूयै-

स् + रूप).

भूयैशम् (von भूयैम्) adv. meist, in der Regel: ते तस्य भूयैशो (भूयैसा ed.

Bomb.) दोषान्वर्धयति MBH. 3, 1948. अमित्रान्भूयैशो (भूयैसा ed. B.) पश्येत् 3,

1214. 10, 86. wieder, von Neuem: सो ऽथ भूयैशस्तानुपस्थितः (संशयं समुप°

die neuere Ausg.) HARIV. 11303. नेतिष्ठैरस्म भूयैशः BHAG. P. 8, 5, 15.

भूयैस्कर (भूयैस् + 1. कर) adj. mehr machend oder thueud VS. 10, 28.

भूयैस्कृत् (भूयैस् + कृत्) adj. mehrend TS. 4, 4, 3, 1. 5, 3, 44, 1.

भूयैस्तरम् (von भूयैम्) adv. wieder, von Neuem R. 2, 96, 16 (105, 15 GORR.).

भूयैस्त्व (wie eben) n. das Mehrsein, Vielfachheit; das Ueberwiegen.